बजरी से भरे ट्रैक्टर-ट्रॉली ने बाइक सवार को कुचला

बाइक सवार की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई

बौंली, (निसं)। क्षेत्र के पीपलवाड़ा राठौद रोड पर एक अवैध खनन व परिवहन कर रही ट्रैक्टर-ट्रॉली ने बाइक सवार को कुचल दिया जिससे बाइक सवार की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई।

मौत के बाद ग्रामीण व परिजनों ने मुख्य मार्ग पर शव रखकर कांटे

- **युवक की मौत के बाद ग्रामीण व परिजनों ने सड़क मार्ग जाम कर दिया**

लगाकर सड़क मार्ग जाम कर दिया। सूचना पाकर बौंली सीओ मीना मीणा मलारना डूंगर सर्किल इंस्पेक्टर लखन खटणा मय पुलिस बल के मौके पर पहुंचे व ग्रामीणों व परिजनों को समझने का प्रयास किया। सड़क मार्ग जाम होने के कारण दोनों और वाहनों की कतारें लग गई एवं विद्यालय में अध्यनरत छात्र-छात्राओं को भी पैदल अपने गांव की ओर जाना पड़ा।

जाम लगाने की सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची।

जानकारी के अनुसार जटावती निवासी अमर सिंह बैरवा उम्र 18 वर्ष अपने गांव से राठौद झोपड़ियां अपने किसी रिश्तेदार परिजन से दोपहर करीब 3 बजे मिलने जा रहा था इसी दौरान राठौद बनास नदी की ओर से अवैध बजरी खनन एवं परिवहन करने वाली बजरी से भरी ट्रैक्टर ट्राली आई और बाइक सवार को कुचलती हुई निकल गई। दुर्घटना इतनी गंभीर थी कि मृतक का सर बिल्कुल रोड पर चिपक गया देर शाम तक तक मृतक का शव रोड पर पड़ा था एवं अन्य पुलिस अधिकारी व प्रशासनिक अधिकारियों का मौके पर पहुंचना जारी था।

जमीन विवाद को लेकर किया हमला, तीन भाई सहित महिला घायल

डूंगरपुर, (निसं)। जिले के देवल चौकी के अंतर्गत पालवाडा बिलिया फला गांव में 8 से 10 लोगों ने जमीन विवाद को लेकर अपने परिवार के चार लोगों पर पत्थरों और लठ्ठों से हमला कर दिया। हमले में तीन भाई सहित एक महिला घायल हो गई। घायलों को जिला अस्पताल भर्ती कराया जहां उनका इलाज जारी है।

जानकारी अनुसार देवल चौकी पालवाडा फला बिलिया गांव निवासी

- **घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनका इलाज जारी है**

ईश्वरलाल अहारी बाजार से राशन की सामग्री लेकर घर लौट रहा था। जैसे ही ईश्वरलाल पुत्र हुरमा अहारी घर से कुछ ही दूरी पर पहुंचा। इस दौरान झांड़ियों की आड में छिपकर बैठे 8 से 10 लोगों ने ईश्वरलाल पर लठ्ठ और पत्थरों से हमला कर दिया। ईश्वरलाल की चिलाने की आवास सुनकर ईश्वरलाल के भाई दो अन्य भाई ताराचंद और दिनेश तथा दिनेश की पत्नी जशोदा तीनों जने बीच बचाव करने के लिए आए तो हमलावरों ने तीनों पर लठ्ठ और पत्थरों से हमला कर गंभीर घायल कर हमलावार मौके से फरार हो गए।

सूचना मिलने पर मौके पर घायलों अन्य सदस्य और आसपास के लोगों ने चारों निजी वाहन में डालकर जिला अस्पताल में पहुंचाया गया। हमले में ईश्वरलाल के सिर, हाथ पैर चोंटे आई। वहीं दिनेश,जशोदा और ताराचंद को गंभीर चोंटे आई। घायलों का डूंगरपुर जिला अस्पताल में इलाज जारी है। घायल ताराचंद अहारी ने उनका जमीन को लेकर रिश्तेदारों में विवाद चल रहा था। जिसकी रंजिश को लेकर शुक्रवार को उनके परिवार पर लठ्ठ और पत्थरों से हमला किया गया है।

एटीएम बदलकर चालीस हजार रूपए निकाले

सुजानगढ़, (निसं)। सदर थाने में भानीसरिया तेज गांव के एक ग्रामीण ने एटीएम बदलकर खाते से रूपए निकालने का मामला दर्ज कराया है। बजरंग सिंह पुत्र लाल सिंह ने रिपोर्ट देकर बताया कि गत 22 नवम्बर को उसने तिरूपति बालाजी मंदिर के पास स्थित एसबीआई बैंक के एटीएम से पैसे निकालने आया।

पैसा निकालने में परेशानी हुई। जिसके बाद एक व्यक्ति आया जिसने मेरा एटीएम बदलकर मुझे दूसरा एटीएम दे दिया। जिसके दस मिनट बाद खाते से चालीस हजार रूपए निकलने के तीन मैसेज आए। पीड़ित ने खाता बंद करवाकर अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ चालीस हजार रूपए निकालने का मामला दर्ज कराया है।

सरकारी जमीन पर कब्जे को लेकर दो गुटों में पत्थरबाजी

दौसा, (निसं)। सैंथल थाना क्षेत्र के खरताला गांव में एक सरकारी जमीन पर अधिकार जताने के मामले को लेकर दो गुटों के बीच जमकर पथराव हुआ। मामूली बात से बढ़े इस विवाद में दो पक्षों में पत्थरबाजी के साथ जमकर झगड़ा व मारपीट हो गई। आपसी विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच हुए इस पत्थरबाजी आदि में दोनों पक्षों की 4 महिला सहित करीब 5 लोग घायल हो गए।

विवाद के बाद इसमें घायल लोगों को उपचार के लिए जिला अस्पताल व सैंथल अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहीं इस घटनाक्रम को लेकर एक पक्ष ने मारपीट व पथराव करने का मामला दर्ज कराया है जबकि दूसरे पक्ष ने जिला

- **चार महिला सहित पांच घायल**

अस्पताल चौकी पुलिस को घटनाक्रम की जानकारी दी गई है।

जिला अस्पताल पहुंचे एक पक्ष के युवक मुकेश ने बताया कि दूसरे पक्ष के कई युवकों व महिलाओं ने उसकी भाभी व पत्नी के साथ बेरहमी से मारपीट की गई जिसमें उन्हें गंभीर चोट आई हैं। सूचना देने के बावजूद पुलिस मौके पर नहीं पहुंची। पुलिस ने बताया कि खरताला गांव में सरकारी जमीन पर कब्जे की बात को लेकर बीती देर शाम दो परिवारों में आपसी कहासुनी हुई। जिसके बाद दोनों पक्षों के बीच पथराव व मारपीट हुई, जिसमें एक पक्ष के जयनारायण, सुमन व शिमला देवी को चोट आई है, जबकि दूसरे पक्ष के भी दो लोग चोटिल हुए हैं। जिनका अस्पताल में इलाज व मेडिकल कराया गया।

वहीं पूरे मामले को लेकर सैंथल थाना प्रभारी घासीलाल मीना ने बताया कि सरकारी जमीन पर डेरा जमाने की बात को लेकर दो पक्षों में आपसी पथराव की सूचना मिली थी। जिस पर पुलिस जाप्ते ने मौके पर पहुंचकर शांति व्यवस्था कायम कर घटनाक्रम की जानकारी ली व पीड़ितों का मेडिकल कराया है। जिला अस्पताल में भर्ती दूसरे पक्ष की रिपोर्ट मिलने पर मामला दर्ज कर विधि संगत कार्रवाई की जाएगी।

बी.एस.एफ. के स्थापना दिवस पर जवानों को शुभकामनाएं दी

बाड़मेर, (निसं)। सीमा सुरक्षा बल के 59 वें स्थापना दिवस पर बाड़मेर सेक्टर उप महानिरीक्षक पी.एस. भट्टी ने अधिकारियों एवं जवानों को शुभकामनाएं दी। इस दौरान केक काटकर बीएसएफ का स्थापना दिवस मनाया गया। स्थापना दिवस पर शुभकामनाएं देते हुए उप महानिरीक्षक पी.एस.भट्टी ने कहा कि जीवन पर्यन्त कर्तव्य के संकल्प के साथ बीएसएफ ने सरहद की हिफाजत के साथ आतंरिक सुरक्षा एवं प्राकृतिक आपदाओं के दौरान बचाव तथा राहत कार्यों में सराहनीय भूमिका निभाई है।

उन्होंने कहा कि बीएसएफ हर मोर्चे पर डयूटी के तत्पर रहती है। उन्होंने स्थापना दिवस पर अधिकारियों एवं जवानों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि देश की सुरक्षा में मुस्तैद बीएसएफ के जवानों का योगदान अतुलनीय है। इससे पहले उप महानिरीक्षक

बाड़मेर में बीएसएफ के स्थापना दिवस पर केक काटा।

पी.एस.भट्टी,जोधपुर मिष्ठान भंडार के कमल सिंहल एवं लीफ आर्टिस्ट खेतेश गोयल ने बीएसएफ के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में केक काटा। इस दौरान लीफ आर्टिस्ट खेतेश गोयल ने उप महानिरीक्षक पी.एस.भट्टी को पीपल के पते पर उकेरी गई सीमा सुरक्षा बल के लोगो वाली तस्वीर भेंट की। उप महानिरीक्षक भट्टी ने स्थापना दिवस पर जवानों की हौंसला अफजाई के लिए कमल सिंहल एवं उत्कृष्ट आर्ट के लिए खेतेश गोयल का आभार जताया। इस दौरान सीमा सुरक्षा बल के विभिन्न अधिकारी एवं जवान उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि सीमा सुरक्षा बल की स्थापना 1 दिसंबर 1965 को हुई थी। पूरे देश में 59 वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।

नोहर में लाखों की चोरी

नोहर, (निसं)। कस्बे में चोरी की घटनाएं रुकने का नाम नहीं ले रही है। चोरों के हौसले इस कदर बुलंद है कि वे आए दिन चोरी की घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। ताज़ा मामला यहां अरडकी बस स्टैंड का है। अज्ञात स्टोर एक मावा भंडार की दुकान से दो लाख की चोरी कर ले गए। मकान मालिक सुबह दुकान पहुंच तो उसे घटना की जानकारी मिली। अज्ञात चोर यहां अरडकी बस स्टैंड के समीप सहु मावा भंडार की दुकान का ताला तोड़कर दुकान के गले में रखें दो लाख नगदी चोरी कर ले गए। दुकान मालिक जब सुबह दुकान पहुंच तो दुकान के ताले टूटे हुए थे उसने गला संभाला तो उसके अंदर से दो गायब थे। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने आसपास के लगे सीसीटीवी फुटेज खगाले मगर उसे कोई सफलता नहीं मिली। विदित रहेगी कस्बे में चोरी की घटनाएं निरंतर हो रही है। पुलिस आज तक किसी भी घटना का खुलासा नहीं कर पाई है।

कट्टों के नीचे दबने से श्रमिक की दर्दनाक मौत

दूदू, (निसं)। मौजमाबाद पंचायत समिति क्षेत्र के गिदानी गांव के पास राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 48 पर संचालित एक फैक्ट्री में शुक्रवार तड़के करीब पांच बजे फैक्ट्री में कार्य करने के दौरान ग्रिड का कट्टा खिसकर 27 वर्षीय मजदूर रामेश्वर जोगी निवासी गुढ़ा सहायपुरा (खुडियाला) पर गिर गया जिससे उसकी मौत हो गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक रामेश्वर करीब चार साल से इसी फैक्ट्री में काम कर रहा था। फैक्ट्री में करीब 12 क्विटंल वजनी ग्रिड के प्लास्टिक कट्टे स्टोर में पड़े थे। जिनमें से एक कट्टा मृतक पर अचानक आ गिरा और कट्टे के नीचे दब जाने से उसकी मौत हो गई। सूचना पर मौजमाबाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर दूदू स्थित मोर्चरी में रखवाया तथा पोस्टमार्टम करवाने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। सूचना मिलने पर दूदू अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दशरथ सिंह भी घटना स्थल पर पहुंचे तथा मौका मुआयना किया। मौजमाबाद थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सूचना पर दूदू अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दशरथ सिंह घटना स्थल पर पहुंचे तथा मौका मुआयना किया।

जैसलमेर में शीतलहर बढ़ने के साथ ही पर्यटन सीजन का आगाज़

जैसलमेर, (नि.सं.)। जैसलमेर में शीतलहर बढ़ने के साथ ही पर्यटन सीजन का आगाज हो गया है। जैसलमेर में देश विदेश से सैलानी घूमने के लिए पहुंचने शुरू हो गए हैं।

हालांकि जैसलमेर पहुंचने के लिए अब हवाई सेवा भी शुरू हो गई है। लेकिन पर्यटन सीजन के साथ ही फ्लाइट में यात्रा करने के लिए दुगुना से चौगुना तक किराया भी बढ़ गया है। वहीं सहज व सुलभ मानी जाने वाली रेल सेवा के लिए भी वेटिंग लिस्ट लंबी बढ़ गई है। गौरतलब है कि करीब दस साल पहले 2013 में रेलवे द्वारा जैसलमेर आने वाले सैलानियों की भीड़ को देखते हुए क्रिसमस व न्यू ईयर पर स्पेशल ट्रेन संचालित की गई थी। जिससे जैसलमेर में पर्यटकों का बूम भी बढ़ा था। इसके साथ ही रेलवे को भी राजस्व प्राप्त हुआ था। लेकिन उसके बाद से क्रिसमस व नए साल को लेकर रेलवे द्वारा कोई स्पेशल ट्रेन का संचालन नहीं किया जाता है। जिससे वेटिंग लिस्ट क्लियर नहीं होने से सैलानियों को भी मायूस होना पड़ता है। रेलवे द्वारा इस बार भी क्रिसमस व नए साल को लेकर स्पेशल ट्रेन चलाई जाए तो जैसलमेर आने वाले सैलानियों को सुलभता तो होगी ही वहीं पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा।

जैसलमेर से लंबी दूरी की ट्रेन भी ज्यादा नहीं है। अगर बात की जाए तो जैसलमेर से साबरमती ,दिल्ली, जयपुर, काठगोदाम के लिए ही रोजाना एक ट्रेन है। इसके साथ ही बांद्रा के लिए साप्ताहिक ट्रेन का संचालन होता है जो

- **दस साल बाद फिर स्पेशल ट्रेन को संचालित करने की जरूरत**

जैसलमेर आने वाले सैलानियों की संख्या के अनुपात में पर्याप्त नहीं है। जैसलमेर के लिए नई ट्रेन संचालित करने के लिए लंबे समय से मांग की जा रही है। लेकिन रेलवे प्रशासन इस मांग की तरफ ध्यान नहीं दे रहा है। जैसलमेर आने के लिए किसी भी ट्रेन में कंफर्म रिजर्वेशन नहीं मिल रहा है। फ्लाइट के रेट्स भी बहुत ज्यादा मंहगे हो गए है। जिससे हमने पहले न्यू ईयर पर जैसलमेर आने का प्लान बनाया था लेकिन ट्रेन में वेटिंग व फ्लाइट मंहगी होने से हम पहले ही यहां पहुंच गए है। जैसलमेर के लिए इस पर्यटन सीजन में स्पेशल रेलों का संचालन होना चाहिए।

प्रथमेस सैलानी ने बताया कि अगर रेलवे द्वारा प्रयास करते हुए इस साल जैसलमेर के लिए स्पेशल ट्रेन का संचालन किया जाता है तो सैलानियों को फायदा होने के साथ ही रेलवे को भी राजस्व प्राप्त होगा। वहीं जैसलमेर के पर्यटन को भी बढ़ावा मिल सके। जैसलमेर में आगामी तीन महीने सैलानियों की जबरदस्त आवक रहती है। इसके साथ ही यहीं तीन महीने है जिससे पर्यटन व्यवसायी पूरे साल का खर्चा भी निकाल लेते है। जिससे जैसलमेर के अधिकांश परिवार सिर्फ इस पर्यटन सीजन पर ही निर्भर है। जैसलमेर रेलवे स्टेशन उत्तर पश्चिम रेलवे का सबसे ज्यादा राजस्व देने वाला स्टेशन है। लेकिन इसके बावजूद रेलवे अधिकारियों द्वारा जैसलमेर के साथ सौतेला व्यवहार किया जाता है। जोधपुर से आए दिन कई स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया जाता है। लेकिन जैसलमेर में हर साल सीजन में 7-8 लाख सैलानी आने के बावजूद रेलवे द्वारा स्पेशल ट्रेन का संचालन नहीं किया जा रहा है। मुख्य जनसंपर्क अधिकारी कैप्टन शशिकिरण ने बताया कि अभी ऐसा कुछ भी प्रपोजल नहीं है। पर्यटन सीजन को देखते हुए अगर उच्चाधिकारियों से कोई निर्देश मिलते है। तो निश्चित तौर पर स्पेशल रेल का संचालन किया जाएगा। लेकिन फिलहाल रेलवे का ऐसा कोई प्लान नहीं है।

फॉलोअर्स बढ़ाने की सनक, युवकों ने कारों के शीशे तोड़े

अलवर, (निसं)। अलवर शहर में गुरुवार आधी रात कुछ युवकों पर रील बनाने की सनक दिखाई दी। लाठी-डंडों और बेसबॉल बैट से लैस करीब 8 लड़कों ने घरों के बाहर खड़ी कारों के शीशे तोड़ दिए। इससे इलाके में दहशत हो गई।

जानकारी के अनुसार सोशल मीडिया पर फॉलोअर्स बढ़ाने के लिए ये युवक आधी रात सड़कों पर उत्पात मचाते हैं। मामला शहर के अरावली विहार थाना क्षेत्र के नया बास सर्किल क्षेत्र में गुरुवार रात 12 बजे का है। सुबह जब लोगों ने अपने घरों के बाहर खड़ी कारों के शीशे टूटे हुए देखे तो हैरान रह गए। इसके बाद आस-पास सीसीटीवी खंगाले गए, जिनमें 8 लड़के हाथों में

- **सोशल मीडिया पर फॉलोअर्स बढ़ाने के लिए ये युवक सड़कों पर उत्पात मचाते हैं**

लाठी-डंडे और बेसबॉल बैट लिए दिखे। सीसीटीवी में युवक शीशे फोड़ते नजर आ रहे हैं। बदमाशों के परिजन अब समझौता करने का प्रयास कर रहे हैं। ऐसे में अभी तक थाने में मामला दर्ज नहीं हुआ है।

अरावली विहार थाना इलाके के पीड़ित लोगों ने जब सीसीटीवी खंगाले तो युवकों में इन्हीं के मोहल्ले से सचिन नाम का युवक भी दिखाई दिया। पुलिस ने जब सचिन से पूछताछ की तो उसने बताया कि वह कार तोड़ने वालों में शामिल नहीं था। लेकिन गुरुवार देर रात उसके दोस्त चिराग, चिंटू, वीरेंद्र, नीतेश व अन्य उसके यहां आए थे।

इसके बाद उसे बोला कि गली के बाहर चलते हैं। उनके हाथ में लाठी और बेसबॉल का डंडा भी था। इसके बाद वे गली के बाहर रुके, इनमें से एक ने वीडियो बनाना शुरू किया। इसके बाद इन लोगों ने एक के बाद एक 6 कारों के शीशे तोड़ दिए। सचिन ने बताया-सभी लड़के शराब के नशे में थे और तोड़-फोड़ की रील बनाकर सोशल मीडिया पर शेयर करने वाले थे। सोशल मीडिया पर फॉलोअर्स बढ़ाने के लिए वे ऐसा करने वाले थे।

कृषि कार्य करते किसान की मौत

टोंक, (निसं)। मेहंदवास थाना क्षेत्र के सूर्याबास गांव में खेत पर गए किसान की कृषि कार्य करते समय आकस्मिक मौत हो गई। पुलिस को सूचना दी, पुलिस ने मौके पर पहुंचकर उसे सआदत अस्पताल ले गए। जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने दोपहर को उसका पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया।

मेहंदवास थाना प्रभारी नियाज मोहम्मद ने बताया कि सूर्याबास गांव निवासी सीताराम (46) पुत्र लखमाराम बैरवा सुबह जल्दी खेत पर फसल की सिंचाई लिए गया था। इसी दौरान सुबह करीब साढ़े नौ बजे आसपास से गुजर रहे किसानों को वह पड़ा दिखाई दिया। बाद में उसके पास जाकर देखा तो वह अचेत अवस्था में था। फिर इसकी सूचना पुलिस को दी। बाद में पुलिस मौके पर गई और उसे सआदत अस्पताल ले आई। जहां उसे डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

कारीगर सोना लेकर फरार

सुजानगढ़, (निसं)। शहर के एक स्वर्णकार की दुकान से बंगाली कारीगर 167 ग्राम सोना लेकर फरार हो गया। पीड़ित व्यापारी कृष्ण कुमार पुत्र हंसराज सोनी ने रिपोर्ट देकर बताया कि उसके दुकान रामपुरिया कॉटेज के पीछे उसकी दुकान है। जहां पर कारीगर सुरोजूद्दीन को 8 साल से कार्य कर रहे नाशीर बंगाली के मार्फत मेरी दुकान पर स्वर्णाभूषण बनाने रखा था। जिसे गुरूवार को 167 ग्राम सोना हथफूल बनाने के लिए सौंपा था। सोना सौंप कर में मेरे घर नाश्ता करने चला गया था। नाश्ता करके जब सुबह साढे दस बजे वापस दुकान लौटा तो सुरोजूदीन नहीं मिला। जिस पर रोहित बंगाली से पूछने पर उसने बताया कि वह शौच करने गया है। सुरोजूदीन दो बार फोन करने पर भी नहीं लौटा व फोन स्वीच ऑफ कर लिया। पीड़ित कृष्ण सोनी ने अपने कारीगर पर सोना लेकर फरार होने का संदेह जताया है।

नवलगढ़ सीट : जनता ने बनाया रोचक मुकाबला

नवलगढ़/झुंझुनूं, (निसं)। विधानसभा चुनाव 2023 के लिए 25 नवम्बर को मतदान करने के साथ ही जनता-जनार्दन अपने फैसले की समीक्षा करने में व्यस्त हैं। झुंझुनू जिले की नवलगढ़ विधानसभा को लेकर हर बार की तरह ही चुनाव को लेकर रोचक चर्चाओं का बाजार गर्म है। हर कोई फाइनल नतीजे को जानने में लगा हुआ है।

मतदान दिवस को भाजपा समर्थक कार्यकर्ताओं ने आक्रोश व जोश जाहिर करते हुए वोट करना शुरू किया। जिसे देख कर कांग्रेस के समर्थक कार्यकर्ताओं ने भी खुद को मजबूत साबित करने के लिए सावचेत होते हुए अपने वोटर को घर से लाने और वापिस घर छोड़ने की रणनीति को गतिमान किया। दोपहर होते-होते कांग्रेस उम्मीदवार डॉ. राजकुमार शर्मा के पुराने साथियो ने बूथों के सामने ये मैसेज पहुँचा दिया कि नवलगढ़ के विकास का पहिया अनवरत तभी चल पायेगा, जब डॉ. राजकुमार शर्मा जीतेंगे।

जागरूक एवं बुद्धिजीवियों ने मंथन कर इस बार का वोट कांग्रेस को समर्पित करने की आवाज आमजन में दी और पहली बार मौजिज वोटर बूथों के सामने देर रात तक डटा रहा। इस प्रकार से मतदान प्रतिशत बढ़ा और डॉ. राजकुमार शर्मा को सबक मिला है कि नये लोगों को जोड़ने की आपा-धापी में पुराने समर्पित लोगों को भुलाने की बजाय हमेशा अग्रणी रखे।

इस बार के चुनाव में रोचक बात ये भी देखने को मिली कि डॉ. राजकुमार शर्मा के पुराने साथी दुबारा जोश के साथ सक्रीय रहे और भाजपा उम्मीदवार का चुनाव भी वो लोग सम्भाल रहे थे, जो डॉ. राजकुमार शर्मा के नवलगढ़ विधायक बनने के बाद उनसे जुड़े हुए थे और खास बनने की दुहाई देते थे। जिसकी वज़ह से डॉ. राजकुमार शर्मा से पुराने साथी जुड़े रहे लेकिन अग्रणी कतार में नहीं आये। भाजपा प्रत्याशी विक्रम सिंह जाखल

विक्रम सिंह जाखल

डॉ. राजकुमार शर्मा

की पूरे विधानसभा क्षेत्र में जीत की हवा बनी रही। वहीं मतदाता डॉ. राजकुमार का बचाव भी करते रहे।

2008 में विधायक बनाने वाले पुराने साथियों ने आखिर डॉ. राजकुमार शर्मा को सम्भाला और आखिर तक डट कर विपक्ष एवं भीतरघात करने वालों से मुकाबला किया तथा ये ही विश्वास जताते रहे कि अन्तिम समय में डॉ. राजकुमार चुनाव निकाल लेंगे। वहीं पिछले 10 सालों में खास बने लोगों ने दबी जुबान में माहौल खिलाफ होना स्वीकार कर कांग्रेस का पक्ष कमजोर ही किया। इसका आभास डॉ. राजकुमार शर्मा को भी हुआ है। तभी तो मतदान समाप्ति पर चुनावी कार्यालय में कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए डॉ राजकुमार शर्मा बोल ही पड़े कि अपने तो अपने होते हैं।

- **भाजपा प्रत्याशी विक्रम सिंह की क्षेत्र में जीत की हवा बनी रही**
- **वहीं मतदाता डॉ. राजकुमार शर्मा का बचाव भी करते रहे**

सूत्रों के अनुसार जानकारी में आया है कि दोपहर से शाम तक हुए मतदान में डॉ राजकुमार शर्मा के पुराने साथियों की रणनीति ने कांग्रेस उम्मीदवार डॉ. राजकुमार के पक्ष में बड़ी संख्या में वोट गिरे वहीं भाजपा प्रत्याशी जाखल के समर्थन में मतदाताओं में उत्साह भी कम नहीं रहा। मतदान के आखिरी समय में राजकुमार समर्थकों ने कड़ी मेहनत की जिससे डॉ. राजकुमार शर्मा सुरक्षित हो गये है। भाजपा के उम्मीदवार विक्रम सिंह जाखल के समर्थक शुरुआत के जोश को आखिर तक नहीं रख सके और यहीं पर भाजपा का चुनाव फंस गया। मतदान बूथों पर भाजपा के कार्यकर्ताओं का हुजूम सुबह से शाम तक एक जैसा ही रहा और वोटर का आंकलन करने में भ्रमित होते रहे तथा उनकी गाड़ियां दोड़ती रही।

वहीं कांग्रेस के कार्यकर्ता सुबह से दोपहर तक हरेक गांव एवं शहर के मोहल्लों में घर-घर वोटर को बूथ तक लाने में डटे रहे और दोपहर बाद बूथों के सामने जम गये। जिससे वोटिंग भी अच्छी करवाने में सफल हो गये। राजनीतिक विशेषज्ञ भी नवलगढ़ का फाइनल नतीजा नहीं दे पा रहे है क्योंकि 90 हजार से अधिक वोट दोनों पक्षों के पास है लेकिन चुनाव जीतने के 1 लाख की लक्ष्मण रेखा पार करना भी जरूरी है। इस बार का चुनाव परिणाम निश्चित ही राजनीतिज्ञों को सबक देने और अपने शुरुआती साथियों पर ही विश्वास करने की सीख देगा।